



मध्यप्रदेश शासन
पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग

अ. सं. 439 / 22 / व-9 / आरजीएम / 2009
दि

भोपाल दिनांक 11/6/09

कलेक्टर

नोडल अधिकारी, जल अभिषेक अभियान,
एवं सचिव, जिला स्तरीय जल अभिषेक समिति,
जिला - समस्त
मध्यप्रदेश

विषय: जल अभिषेक अभियान के अंतर्गत "हरियाली महोत्सव - 2009" के क्रियान्वयन के संबंध में।

1. पृष्ठभूमि :-

विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी मानसून सत्र के दौरान वृक्षारोपण कर हरियाली महोत्सव आयोजित किया जाना है। इस वर्ष हरियाली महोत्सव के अंतर्गत पूर्व वर्षों में किये गये वृक्षारोपण का सुदृढीकरण (Consolidation) किया जाना है। सुरक्षा के लिए बागड़ (फेंसिंग/ट्री-गार्ड) और सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध होने पर नवीन वृक्षारोपण भी किया जा सकता है। हरियाली महोत्सव के संपूर्ण आयोजन व नियोजन के लिए जिला कलेक्टर नोडल अधिकारी होंगे। वे जिला पंचायत के समन्वय से हरियाली महोत्सव-2009 को मूर्तरूप देंगे।

प्राथमिकता अनुरूप जिला स्तरीय रणनीति तैयार करना :-

मानसून सत्र के दौरान हरियाली महोत्सव - 2009 हेतु पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की योजनाओं के अंतर्गत निम्न प्राथमिकता क्रम में वृक्षारोपण किया जाना है :-

2.1 विगत हरियाली महोत्सवों में किये गये ऐसे खाण्ड वृक्षारोपण (Block Plantation) एवं पंक्तिबद्ध वृक्षारोपण (Row Plantation), जिनकी सुरक्षा के लिए बागड़ (फेंसिंग/ट्री-गार्ड) और सिंचाई के लिए संपूर्ण वर्ष हेतु पानी की सुनिश्चित

4

व्यवस्था/जल स्रोत विकसित किया गया है, का भी ध्यान किया जाकर उनके नूतन पौधों के स्थान पर नवीन पौधे लगाये जाने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी है।

- 2.2 ग्राम पंचायतों में ऐसा क्षेत्र जहाँ पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से वृक्षारोपण उपयुक्त होगा तथा वृक्षारोपण व इसके रख रखाव हेतु ग्रामीण समुदाय सहमत हैं और इस क्षेत्र में लगाये जाने वाले पौधों की सुरक्षा हेतु बागड़ (फेंसिंग/ट्री-गार्ड) और संपूर्ण वर्ष हेतु सिंचाई के लिए पानी की सुनिश्चित व्यवस्था/जल स्रोत विकसित किया जा चुका है/उपलब्ध है, वहां खण्ड वृक्षारोपण (Block Plantation) के रूप में नवीन सघन वृक्षारोपण किया जाना है।
- 2.3 ऐसे पात्र हितग्राही (संबंधित योजना के प्रावधानों के अनुसार – उदाहरणस्वरूप रोजगार गारंटी योजना के अंतर्गत नंदन फलोद्यान उपयोगना के हितग्राही) जिनके लिए लगाये जाने वाले पौधों की सुरक्षा हेतु बागड़ (फेंसिंग/ट्री-गार्ड) और संपूर्ण वर्ष हेतु सिंचाई के लिए पानी की सुनिश्चित व्यवस्था/जल स्रोत विकसित किया जा चुका है/उपलब्ध है, वहां खण्ड वृक्षारोपण (Block Plantation) अथवा पंक्तिबद्ध वृक्षारोपण (Row Plantation) के रूप में नवीन वृक्षारोपण किया जा सकता है।

अतः जिला स्तरीय जल अभिषेक समिति की बैठक शीघ्र आयोजित कर उक्त प्राथमिकता क्रम के अनुसार हरियाली महोत्सव-2009 की आयोजना व क्रियान्वयन की रणनीति निर्धारित कर लें।

3. क्रियान्वयन के प्रक्रियात्मक पहलु :-

हरियाली महोत्सव – 2009 में निम्न प्रक्रियात्मक पहलुओं का विशिष्ट ध्यान रखा जाये :-

- 3.1 ग्रामवार प्रत्येक प्रस्तावित वृक्षारोपण हेतु दीर्घकालिक आयोजना (जिसमें वर्तमान वर्ष में वृक्षारोपण एवं आने वाले वर्षों में सुरक्षा, रख रखाव, सिंचाई, उर्वरक खाद आदि की व्यवस्था शामिल होगी) अनिवार्यतः तैयार की जावे। इन आयोजना के आधार पर सभी जिले अनुलग्नक – 1 में दर्शाये गये प्रपत्र में हरियाली महोत्सव – 2009 की समेकित कार्य योजना तैयार करेंगे और यह कार्य योजना दिनांक 15.6.2009 तक ईमेल : devcomm@mp.nic.in पर पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग को प्रेषित करेंगे।

हरियाली महोत्सव-2009 हेतु वृक्षारोपण के लिए विभिन्न आदानों की पूर्ति तथा व्यवस्थाओं हेतु पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की निम्न योजनाओं से निर्धारित प्रावधानों अनुसार वित्तीय नियोजन किया जा सकता है :-

- राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना - मध्यप्रदेश
- जलग्रहण क्षेत्र प्रबंधन मिशन की जलग्रहण क्षेत्र प्रबंधन परियोजनायें (केवल परियोजना क्षेत्र में स्वीकृत ग्रामों हेतु)
- एस.जी.एस.वाय. के वृक्षारोपण के स्पेशल प्रोजेक्ट
- मध्यप्रदेश ग्रामीण आजीविका परियोजना (केवल परियोजना क्षेत्र में स्वीकृत ग्रामों हेतु)

हरियाली महोत्सव -2009 के प्रस्तावित वृक्षारोपण हेतु उपरोक्त वित्तीय स्रोतों से नियोजन उपरांत संबंधित योजना के प्रावधानों के अनुसार प्रशासकीय एवं तकनीकी अनुमोदन अनिवार्यतः प्रदान किया जाये।

3 प्रस्तावित वृक्षारोपण करने के लिए क्रियान्वयन एजेंसी का स्पष्ट निर्धारण किया जाये और इस क्रियान्वयन एजेंसी को गुणवत्तापूर्ण पौध रोपण तथा रोपण के पश्चात रख रखाव व सुरक्षा का उत्तरदायित्व सौंपा जाये। क्रियान्वयन एजेंसियों को वृक्षारोपण के विभिन्न तकनीकी पहलुओं तथा रोपण के पश्चात सुरक्षा और रख रखाव (सिंचाई, निदाई, गुड़ाई, खाद व कीटनाशक इत्यादि) की व्यवस्था (Post Plantation Arrangements) इत्यादि का प्रशिक्षण दिया जाये। क्रियान्वयन एजेंसी को स्पष्ट रूप से अवगत करा दिया जाये कि वृक्षारोपण के असफल होने पर व्यय राशि की वसूली उनसे की जायेगी।

3.4 मानसून पूर्व क्रियान्वयन एजेंसियां महत्वपूर्ण तैयारियां जैसे भूमि/क्षेत्र/हितग्राही का चयन, वृक्षारोपण हेतु प्रजातियों का चयन, प्रस्तावित वृक्षारोपण हेतु पौधों की संख्या का आकलन व उच्च गुणवत्ता के पौधे के प्रदाय हेतु नर्सरी से नियमानुसार समन्वय तथा भूमि की तैयारी इत्यादि समय पर कर दिया जाये। भूमि की तैयारी व प्रजातियों के चयन में तकनीकी मानदण्डों का ध्यान रखा जाये।

- 3.5 प्रत्येक जिले में मानसून प्रारंभ होने पर जिले के प्रभारी मंत्री जी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित कर हरियाली महोत्सव-2009 की शुरुआत समारोहपूर्वक की जाये। इस अवसर पर रैली भी आयोजित की जा सकती है। तदोपरांत क्रियान्वयन एजेंसियों द्वारा प्रस्तावित पौध रोपण का कार्य मानसून सत्र के दौरान अच्छी बारिश होने पर ही किया जाये। अल्पवर्षा अथवा सूखे की स्थिति में जब तक सिंचाई के लिए समुचित पानी की व्यवस्था उपलब्ध नहीं होती, तब तक वृक्षारोपण नहीं किया जाये।
- 3.6 पौधों के क्रय में पूर्ण पारदर्शिता बरती जानी चाहिए। पौधों का क्रय केवल शासकीय विभागों की शासकीय नर्सरियों में विकसित किये गये गुणवत्तापूर्ण पौधों में से किया जा सकेगा। किसी भी स्थिति में अथवा किसी भी माध्यम अथवा प्रणाली के द्वारा गैर शासकीय निजी नर्सरियों/शासकीय विभागों द्वारा अधिकृत निजी नर्सरियों से पौधों का क्रय नहीं करना है। क्रियान्वयन एजेंसी द्वारा क्रय किये गये पौधों का प्रदायकर्ता विभाग/संस्था/नर्सरीवाला संपूर्ण विवरण (प्रजाति, संख्या, दर इत्यादि) स्पष्ट रूप से संधारित किया जाये। इन विभाग से संकलित जानकारी के अनुसार उनकी विभिन्न नर्सरियों में उपलब्ध पौधे व प्रजातियों का विवरण अनुलग्नक - 2 पर है तथा संपर्क अधिकारियों का विवरण अनुलग्नक -3 पर है। जिले अपनी आवश्यकता के आधार पर गुणवत्ता परीक्षण के उपरांत इन नर्सरियों से भी पौधों की व्यवस्था कर सकते हैं।
- 3.7 लगाये जाने वाले पौधों की गुणवत्ता से किसी भी स्थिति में समझौता नहीं किया जाये। नर्सरी से पौधे क्रय करने के पूर्व एवं नर्सरी से प्राप्त होने पर उनकी गुणवत्ता का परीक्षण विशेषज्ञ द्वारा करवाया जाये। पौधों के गुणवत्तापूर्ण एवं तकनीकी मानदण्डों के अनुरूप पाये जाने पर ही इनका रोपण किया जाये। गुणवत्ताहीन पौधे क्रय करने अथवा लगाये जाने पर संबंधित क्रियान्वयन एजेंसी उत्तरदायी होगी।
- 3.8 रोपित किये गये पौधों की सुरक्षा और रख रखाव (सिंचाई, निदाई, गुड़ाई, खाद व कीटनाशक इत्यादि) की सुनिश्चित व्यवस्था (Post Plantation Arrangements) की जाये, ताकि पौधों की उत्तरजीविता का न्यूनतम प्रतिशत 70%- 75% हो। रोपित

पौधों के रख रखाव का दायित्व ग्राम पंचायतों अथवा स्वसहायता समूहों को सौंपा जाये।

3.9 संपादित वृक्षारोपण कार्यों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारियों जैसे कहां वृक्षारोपण किया गया (हल्का नंबर तथा खसरा नंबर), किस प्रजाति के कितने पौधे लगाये गये, कितनी राशि का व्यय (मदवार अर्थात् मजदूरी पर, सामग्री पर, फेंसिंग पर इत्यादि) हुआ इत्यादि का विधिवत् रिकार्ड व लेखा संधारण कराया जाये, ताकि पारदर्शिता बनी रहे।

3.10 हरियाली महोत्सव के वृक्षारोपण की नियमित मॉनिटरिंग की जाये। जिला स्तर एवं विकासखण्ड स्तर के अधिकारियों/कर्मचारियों के रोस्टर बनाकर विभिन्न पहलुओं नामतः भूमि की तैयारी, प्रजाति चयन, नर्सरी की व्यवस्था, पौधों की गुणवत्ता, पौधों के रोपण, सिंचाई व रख रखाव की व्यवस्था, सुरक्षा की व्यवस्था इत्यादि की मॉनिटरिंग कराई जाये। जहां कहीं भी कोई कमी पाई जाती है तो इसका तत्काल निराकरण कराया जाये।

4 रिपोर्टिंग :-

हरियाली महोत्सव - 2009 की रिपोर्टिंग के लिए अनुलग्नक - 4 में दर्शाये गये प्रपत्र में जानकारी तैयार कराकर वेबसाइट jalabhishek.org पर प्रत्येक पखवाड़े (माह की 15 व 30 अथवा 31 तारीख को) की अंतिम तारीख तक अंकित करें।

कृपया उपरोक्तानुसार हरियाली महोत्सव - 2009 की आयोजना एवं क्रियान्वयन हेतु आवश्यक समन्वय व नियोजन करने का कष्ट करें।

संलग्न : उपरोक्तानुसार।



(अनिल श्रीवास्तव)

सचिव

मध्यप्रदेश शासन

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग

मध्यप्रदेश भोपाल

8

क्र. 6440 / 22 / वि-9 / आरजीएम / 2009

भोपाल दिनांक 11/6/09

प्रतिलिपि :-

1. अपर मुख्य सचिव, मध्यप्रदेश शासन, वन विभाग की ओर सूचनार्थ
2. सचिव, माननीय मुख्यमंत्री जी की ओर सूचनार्थ प्रेषित।
3. संभाग आयुक्त, समस्त मध्यप्रदेश की ओर सूचनार्थ प्रेषित।
4. मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत, जिला समस्त की ओर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

8

(अनिल श्रीवास्तव)

सचिव

मध्यप्रदेश शासन

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग

मध्यप्रदेश भोपाल

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 |
|-----|----------|----------------|-----|-----|------|------|------|------|------|------|------|------|----|-------|-------|-----|-------|
| खंड | सुदामपुर | मसक पोली | 10 | 0 | 106 | 76 | 174 | 3 | 0 | 89 | 45 | 0 | 0 | 493 | 600 | 0 | 1103 |
| | | योग मसक पोली | 10 | 0 | 106 | 76 | 174 | 3 | 0 | 89 | 45 | 0 | 0 | 493 | 600 | 0 | 1103 |
| | खंड | मसक पोली | 0 | 0 | 90 | 0 | 59 | 31 | 0 | 67 | 105 | 0 | 0 | 352 | 0 | 0 | 352 |
| | | योग मसक पोली | 0 | 0 | 90 | 0 | 59 | 31 | 0 | 67 | 105 | 0 | 0 | 352 | 0 | 0 | 352 |
| | | लाडली पोली | 5 | 0 | 113 | 4 | 73 | 86 | 0 | 68 | 29 | 0 | 0 | 374 | 0 | 0 | 379 |
| | | योग लाडली पोली | 5 | 0 | 113 | 4 | 73 | 86 | 0 | 68 | 29 | 0 | 0 | 374 | 0 | 0 | 379 |
| | | खंड | 5 | 0 | 203 | 4 | 132 | 117 | 0 | 135 | 133 | 0 | 0 | 725 | 0 | 0 | 731 |
| | | योग खंड | 5 | 0 | 203 | 4 | 132 | 117 | 0 | 135 | 133 | 0 | 0 | 725 | 0 | 0 | 731 |
| | | खंड | 0 | 0 | 69 | 0 | 8 | 0 | 0 | 22 | 70 | 0 | 0 | 168 | 0 | 0 | 168 |
| | | योग खंड | 0 | 0 | 69 | 0 | 8 | 0 | 0 | 22 | 70 | 0 | 0 | 168 | 0 | 0 | 168 |
| | | खंड | 0 | 0 | 69 | 0 | 8 | 0 | 0 | 22 | 70 | 0 | 0 | 168 | 0 | 0 | 168 |
| | | योग खंड | 0 | 0 | 69 | 0 | 8 | 0 | 0 | 22 | 70 | 0 | 0 | 168 | 0 | 0 | 168 |
| | | खंड | 51 | 151 | 698 | 139 | 618 | 212 | 0 | 576 | 518 | 72 | 0 | 2833 | 4540 | 20 | 7594 |
| | | योग खंड | 51 | 151 | 698 | 139 | 618 | 212 | 0 | 576 | 518 | 72 | 0 | 2833 | 4540 | 20 | 7594 |
| | | खंड | 51 | 151 | 698 | 139 | 618 | 212 | 0 | 576 | 518 | 72 | 0 | 2833 | 4540 | 20 | 7594 |
| | | योग खंड | 51 | 151 | 698 | 139 | 618 | 212 | 0 | 576 | 518 | 72 | 0 | 2833 | 4540 | 20 | 7594 |
| | | खंड | 119 | 747 | 3352 | 1359 | 3999 | 1823 | 1935 | 4037 | 6646 | 3192 | 22 | 26871 | 44646 | 300 | 72174 |
| | | योग खंड | 119 | 747 | 3352 | 1359 | 3999 | 1823 | 1935 | 4037 | 6646 | 3192 | 22 | 26871 | 44646 | 300 | 72174 |

1761